प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
(2017-2018)
हिन्दी ऐच्छिक
कक्षा बारहवी

निर्धारित समय 3 घंटे — अधिकतम अंकः100

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड - 'क'

१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः 15

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुआँ के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है। उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारों पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने उन्हें कभी उचित नहीं माना, उन्हे सदा संयम के बंधन से बांधकर रखने का प्रयत्न किया है। परन्तु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती, बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती। हुआ यह है कि इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए ऐसे अनेक कायदे-कानून बनाए गए हैं, जो कृषि, उद्योग, वाणिज्य, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को अधिक उन्नत और सुचारू बनाने के लक्ष्य़ से प्रेरित है, परन्तु जिन लोगों को इन कार्यो में लगना है, उनका मन सब समय पवित्र नहीं होता। प्रायः ही वे लक्ष्य को भूल जाते हैं और अपनी ही सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगते हैं।

व्यक्ति चित्त सब समय आदर्शो द्वारा चालित नहीं होता। जितने बडे पैमाने पर इन क्षेत्रों में मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए। लक्ष्य की बात भूल गए। आदर्शो को मजाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान

लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोडे से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परन्तु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अन्तर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

क) भारतवर्ष में किस बात को महत्वहीन माना गया व क्यों ? 2

ख) किस प्रकार के आचरण को 'निकृष्ट' कहा गया है? 2

ग) दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए किए गए प्रयास सफल क्यों नहीं हो पाए? 2

घ) 'मन की पवित्रता ' से क्या आशय है? 2

ड) व्यक्तिचित के आदर्शों द्वारा चालित न होने का परिणाम किस रूप में देखने को मिला ? 2

च) वर्तमान संदर्भ में भारत के पुराने आदर्श और भी उपयोगी क्यों लग रहे हैं ? 2

छ) कानून और धर्म में अन्तर किए जाने का क्या परिणाम हुआ ? 2

ज) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1x5=5

'सर । पहचाना मुझे ?'

बारिश में भीगता आया कोई

कपडे कीचड़ सने और बालों में पानी

बैठा, छन भर सुस्ताया। बोला, नभ की ओर देख -

'गंगा' मैया पाहुन बन कर आईं थीं,

झोपडी में रहकर लौट गईं।

नैहर आई बेटी की भांति
चार दीवारों में कुदकती-फुदकती रहीं
खाली हाथ वापस कैसे जाती।
घरवाली तो बच गई -
दीवारें ढहीं, चूल्हा बुझा, बरतन-भांडे
जो भी था सब चला गया।
प्रसाद रूप में बचा है नैनों में थोडा खारा पानी
पत्नी को साथ ले, सर अब लड रहा हूँ
ढही दीवार खडी कर रहा हूँ
कादा-कीचड निकाल फेंक रहा हूँ
मेरा हाथ जेब की ओर जाते देख
वह उठा, बोला - ‘सर, पैसे नहीं चाहिए।
जरा अकेलापन महसूस हुआ तो चला आया
घर -गृहस्थी चौपट हो गई पर
रीढ़ की हड्डी मजबूत है सर।
पीठ पर हाथ थपकी देकर
आशीर्वाद दीजिए
लड़ते रहो।‘

क) बाढ़ की तुलना मायके आई हुई बेटी से क्यों की गई है? 1

ख) बाढ़ का क्या प्रभाव पड़ा। 1

ग) 'सर' का हाथ जेब की ओर क्यों गया? 1

घ) आगन्तुक सर के घर किसलिए गया था ? 1

ड) कैसे कह सकते हैं कि आगन्तुक एक स्वाभिमानी व संघर्षशील व्यक्ति है? 1

खंड- 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिएः 10

क) बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में नारी की भूमिका

ख) संचार क्राँति के लाभ

ग) मेरे जीवन की अविस्मरणीय घटना

घ) 'है अंधेरी रात पर दीपक जलाना कब मना है'

4. प्रत्येक सप्ताहांत में विद्यालय में योग-कक्षाएँ आयोजित करने का अनुरोध करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए । 5

अथवा

पुलिस मुख्यालय में कुछ जनसंपर्क सहायकों की आवश्यकता है, जिन्होंने हाल ही में बारहवीं की परीक्षा दी हो, जिन्हे कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी हो और लोगों से मिलना-जुलना पसंद हो। अपना व्यक्तिगत विवरण देते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 1x5=5

क) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में मुख्य अंतर क्या है ?

ख) भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला था ?

ग) समाचार लेखन के छह ककार कौन-कौन से हैं ?

घ) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

ड) 'पाठकों का अपना कॉलम' किसे व क्यों कहा जाता है ?

6. 'गोदामों में सड़ता अनाज और भूख से कराहते लोग' विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

'चुनाव-व्यवस्था में पारदर्शिता' विषय पर एक आलेख लिखिए।

खण्ड-'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 8

देखती मुझे तू हंसी मंद

होंठों में बिजली फंसी स्पंद

उर में भर झूली छबि सुन्दर

प्रिय की अशब्द श्रृंगार-मुखर

तू खुली एक - उच्छवास संग

विश्वास स्तब्ध बँध अंग-अंग

नत नयनों से आलोक उत्तर

काँपा अधरों पर थर-थर-थर

देखा मैंने, वह मूर्ति-धीति

मेरे बसंत की प्रथम गीति

अथवा

फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाई किमि सहा।।

तन जस पीयर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा।।

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भई अनपत्त फूल फर साखा।।

करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू।।

फाग करहिं सब चाँचारि जोरी। मोहि जिय लाइ दीन्हि जसि होरी।।

जौं पै पियहि जरत अस भावा। जरत मरत मोहि रोस न आवा।।

8. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 3+3=6

क) केशवदास ने सरस्वती की उदारता का बखान करने में असमर्थता क्यों व्यक्त की है? स्पष्ट कीजिए।

ख) ‘सत्य’ कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि हम सत्य की पहचान कैसे कर सकते हैं?

ग) ‘अरूण यह मधुमय देश हमारा’ गीत में भारत की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

9. निम्नलिखित में से किन्ही दो काव्यांशो का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए 3+3=6

क) ऊँचे तरूवर से गिरे

बड़े-बड़े पियराए पत्ते

कोई छ्ह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो

खिली हुई हवा आई, फिरकी सी आई, चली गई।

ख) मातु मंदि मैं साधु सुचाली। उर अस आनत कोटि कुचाली।।

फरई कि कोदव बालि सुसाली। मुकता प्रसव कि संबुक काली।।

ग) घनआनंद मीत सुजान बिना, सब ही सुख-साज-समाज टरे।

तब हार पहार से लागत हे, अब आनि के बीच पहार परे।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 6

चारों ओर कुपित यमराज के दारूण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रूद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी शक्ति है।

अथवा

पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृतियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खडखडाहट नहीं।

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4+4=8

क) 'कच्चा चिट्ठा' पाठ के लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि 'मै कहीँ जाता हूं, तो छूंछे हाथ नहीं लौटता।' पसोवा से कम चीजे मिलने की कमी किस प्रकार पूरी हुई?

ख) औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट किस प्रकार पैदा कर दिया है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ग) संवदिया किसे कहा जाता है? उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि गाँववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है?

12. 'रामचन्द्र शुक्ल' अथवा 'ममता कालिया' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

'केदारनाथ सिंह' अथवा 'विद्यापति' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13. "बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे संबंधों का जीवन चरित होता है।" इस कथन में व्यक्त मूल्यों के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि माँ बच्चे के जीवन का मूलाधार होती है। 5

अथवा

एक सजग नागरिक होने के नाते प्राकृतिक असंतुलन की भयानक समस्या से निपटने हेतु आप क्या कदम उठाएँगे। 'अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

14. क) 'खेल में रोना कैसा ? खेल हंसने के लिए, दिल बहलाने के लिए है, रोने के लिए नहीं।' इस कथन के आलोक में सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

ख) 'आरोहण' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पहाड़ो में जीवन अत्यन्त कठिन होता है। 5

अंक योजना

(2017-18)

हिन्दी ऐच्छिक

कक्षा बारहवीं

खंड - 'क'

प्रश्न संख्या	भाग	उत्तर संकेत मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
1		अपठित गद्यांश पर आधारित उत्तर	15
	क	• भौतिकवादी दृष्टिकोण, विकारों को प्रमुखता देना - महत्वहीन माना गया। • आध्यात्मिकता को महत्व । आत्मा ही चरम व परम	2
	ख	• विकारों को प्रमुखता देकर मन तथा बुद्धि को उनका गुलाम बना देना • संयम का अभाव	2
	ग	• द्ररिद्रजनों की हीन अवस्था दूर करने के उपायों में लगने - लगाने वाले लोगों की स्वार्थपरता • लक्ष्य भूल जाना	2
	घ	• आत्मकेन्द्रित न होना • लोभ व स्वार्थ त्यागकर परमार्थ के बारे में सोचना • ईमानदारी से कार्य करना	2
	ड	• लोभ मोह जैसे विकारों का विस्तार • लक्ष्य भूल जाना • जीवन-मूल्यों को दकियानूसी मानना।	2
	च	• नवीन दृष्टिकोण से जीवन मूल्यों का ह्रास होना • दरिद्रजनों के विकास के लिए बनाई गई योजनाओं का असफल होना।	2
	छ	• कानून को धोखा दिया जा सकता है, धर्म को नहीं। • धर्मभीरू लोग भी कानून की त्रुटियों से लाभ उठाते है।	2
	ज	• हमारे आदर्श और व्यवहार • कैसे हो दरिद्रजनों का उत्थान (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
2		अपठित काव्यांश पर आधारित उत्तर	1x5=5

		• विवाह के बाद बेटी का कभी कभी मायके आना व मस्ती करना। • जाते समय कुछ न कुछ लेकर जाना।	1
	ख	• दीवारें ढहना, चूल्हा बुझ जाना, सामान का बाढ़ के पानी में बह जाना	1
	ग	• बाढ़ में सब कुछ गंवाए व्यक्ति की मानवीय धरातल पर आर्थिक मदद करना।	1
	घ	• अकेलेपन को मिटाना • विपति झेलने की शक्ति का आशीर्वाद लेना।	1
	ड	• आर्थिक सहायता स्वीकार न करना • रीढ़ की हड्डी मजबूत होने(संधर्षशीलता का आशीर्वाद चाहना।	1
		खंड - ख	
3		**किसी एक विषय पर निंबध लेखन** • भूमिका 1 • विषय वस्तु 6 • उपसंहार 1 • भाषा और प्रस्तुति 2	10
4		**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1 • विषय वस्तु 3 • भाषा 1	5
5	क	**संक्षिप्त उत्तर** • बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता में उस क्षेत्र के बारे में सामान्य जानकारी व दिलचस्पी होना पर्याप्त विशेषीकृत रिपोर्टिंग में सामान्य खबरों से आगे बढकर विशेष क्षेत्र या विषय से जुडी घटनाओं, मुद्दों आदि का बारीकी से विश्लेषण	1x5=5 1
	ख	भारत में पहला छापाखाना • सन 1554 में • गोवा में	1
	ग	**छह ककार** • क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहां हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ, कैसे हुआ (क्या, किसके (या कौन) कहां, कब,	1

		क्यों , कैसे - भी लिखा जा सकता है)	
	घ	• सूचनाओं, समाचारों आदि का तीव्र गति से पहुँचना • खबरों के संप्रेषण, पुष्टि, सत्यापन आदि के साथ-साथ खबरों का बैकग्राउंडर तैयार करने में सहायक होना	1
	ङ	• संपादकीय पृष्ठ व पत्रिकाओं की शुरूआत में संपादक के नाम पाठकों के पत्र। • पाठकों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना तथा जन समस्याओं को उठाना	1
6		आलेख लेखन के लिए निर्धारित अंक • विषय वस्तु 3 • प्रस्तुति 1 • भाषा 1	5
		खंड - 'ग'	
7		**सप्रसंग व्याख्या** • संदर्भ एवं प्रसंग 2 • व्याख्या 4 • विशेष 1 • भाषा 1	8
8	क	किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर • देवी सरस्वती की उदारता अपार है। • देवता, सिद्ध, ऋषि-मुनि भी असमर्थ रहे। • उनकी उदारता वर्णनातीत है • किसी के पास ऐसी मति नहीं है।	3+3=6
	ख	• सत्य कोई बाहरी वस्तु नहीं बल्कि अंतर्मन की शक्ति। • निरंतर परिवर्तनों को दृष्टि में रखते हुए सत्य की पहचान का प्रयास • युधिष्ठिर जैसे दृढ संकल्प की आवश्यकता।	
	ग	• कार्नेलिया के गीत में भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का उल्लेख • यहां प्रकृति मधुमय-अदभुत है। • सूर्य की पहली किरण का यहाँ आना, पक्षियों का कलख। • अनजान अतिथि को आश्रय देना।	

		• भारतीयों का हृदय दया, करूणा तथा सहानुभूति से भरा। • सभी के सुखों की कामना।	
9	क	• भाव सौन्दर्य $1^{1/2}$ • शिल्प सौन्दर्य $1^{1/2}$	3+3=6
	ख	• भाव सौन्दर्य $1^{1/2}$ • शिल्प सौन्दर्य $1^{1/2}$	
	ग	• भाव सौन्दर्य $1^{1/2}$ • शिल्प सौन्दर्य $1^{1/2}$	
10		• संदर्भ एवं प्रसंग 1 • व्याख्या 3 • भाषा एवं विशेष 2	6
11	क	किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर • लेखक को अपने संग्रहालय के लिए पुरातात्विक महत्व की चीजे संकलित करने का शौक • जब भी कहीं जाते, उस स्थान की कोई न कोई महत्वपूर्ण चीज लेकर आते। • हजारों पाषाण मूर्तियाँ, मृणमूर्तियाँ, प्रतिमाएँ, सिक्के, चित्र आदि का इसी प्रकार संकलन • एक छोटे से गाँव के निकट मिली शिव की चतुर्भुज मूर्ति ने पसोवा से थोडी चीजे मिलने की कमी पूरी कर दी।	4+4=8
	ख	• उदयोग धंधो की स्थापना के लिए प्रकृति और पर्यावरण का विनाश। • खनिज संपदा का नष्ट होना। • कृषि योग्य भूमि उजड़ना • प्राकृतिक असंतुलन • लोगों का विस्थापन। मनुष्य के साथ उसके परिवेश का उजडना। • उदयोगों द्वारा निष्कासित धुएँ कचरे, रसायनों आदि से फैलने वाला प्रदूषण।	
	ग	• संवाद अथवा संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने वाला व्यक्ति संवदिया।	

		• सबके वश का काम नहीं। • संवाद की गोपनीयता का ध्यान रखना। • अच्छी स्मरणशक्ति संवाद का प्रत्येक शब्द , याद रखना। • संवाद की उसी सुर और लहजे में सुनाना जैसा उसे सुनाया गया। • गाँव वालों की अवधारणा -निठल्लाकामचोर और पेटू , -औरतो का गुलाम जरा सी मीठी बोली से नशे में आ जाने वाला -बिना मजदूरी लिए काम करनेवाला	
12		**जीवन परिचय** • जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 2 • भाषा शैली 2	6
13		विद्यार्थियों के चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन स्वीकार्य	5
14	क	• कर्मठता - कर्म कर विपतियों का सामना करने का साहस। • आत्मविश्वास - परिस्थितियों से जूझनेवाला। हार न मानना। • धैर्य - सब कुछ नष्ट हो जाने पर भी धैर्यपूर्वक सहना। • प्रतिशोध का अभाव - सब जानते हुए भी बदला न लेने की भावना। • आशावादी - जीवन की बाजी फिर खेलने को तैयार • दृढ संकल्प - मेहनत कर फिर सब कुछ पाना। • पुननिर्माण पर विश्वास	5
	ख	• विश्व मे भौगोलिक दृष्टि से अनेक विविधताएँ। • पहाड़ आकर्षक, पहाड़ों का जीवन कठिन • जनसुविधाओं का अभाव • भू-स्खलन एवं हिम-स्खलन • सड़कों का अभाव, तंग व खतरनाक रास्ते।	5

		• सिंचाई के लिए पानी व कृषि योग्य भूमि का अभाव • शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव • बेरोजगारी • अत्याधिक ठंड • खाने पीने की चीजों की कमी • ऊँचाइयों पर सामान, पशु आदि पहुँचाने की समस्या।	